No. of Printed Pages : 3 **MJY-001**

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम.जे.वाई.-001 : भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं ऐतिहासिकता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : यह प्रश्न-पत्र कुल **दो** खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड-क

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के विस्तार से उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. पठित अंश के आधार पर ज्योतिषशास्त्र का विस्तृत परिचय लिखिए।

2. संस्कृत वाङ्मय का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

3. ज्योतिषशास्त्र के उद्भव व विकास का वर्णन कीजिए।

4. वेद के अंग के रूप में ज्योतिषशास्त्र का मूल्यांकन कीजिए।

5. सृष्टि की उत्पत्ति के सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।

6. ज्योतिषशास्त्र की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

खण्ड-ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $4 \times 10 = 40$

1. ज्योतिषशास्त्र के **चार** प्रवर्तकों का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

2. संस्कृत वाङ्मय के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

3. वेदांग ज्योतिष में दिनमान के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. स्वास्थ्य और ज्योतिष के सम्बन्ध का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

5. शिक्षा का क्या अर्थ है ? ज्योतिष में इसके महत्व का उल्लेख कीजिए।

6. सिद्धान्त ज्योतिष की सामाजिक उपयोगिता का वर्णन प्रस्तुत कीजिए।

7. रत्नविज्ञान से ज्योतिष का क्या सम्बन्ध है ? विवेचना कीजिए।

8. पर्यावरण क्या है ? ज्योतिष में इसका क्या महत्व है ? पठित अंश के आधार पर निरूपण कीजिए।